



Literacy for a Billion

Movie: Gopi

Year: 1970

Song: Sukh Ke Sab Saathi

Lyricist: Rajinder Krishan

सुख के सब साथी
दुख में न कोई
सुख के सब साथी
दुख में न कोई
मेरे राम
मेरे राम तेरा नाम
एक साचा दूजा न कोई
सुख के सब साथी
दुख में न कोई

जीवन आनी जानी छाया
झूठी माया झूठी काया
फिर काहे को सारी उमरिया
पाप की गठरी ढोई
सुख के सब साथी
दुख में न कोई

ना कुछ तेरा
ना कुछ मेरा

ये जग जोगी वाला फेरा
राजा हो या रंक सभी का
राजा हो या रंक सभी का
अंत एक सा होई
सुख के सब साथी
दुख में न कोई

बाहर की तू माटी फाँके
मन के भीतर क्यूँ न झाँके
उजले तन पर मान किया
और मन की मैल न धोई
सुख के सब साथी
दुख में न कोई
मेरे राम
मेरे राम तेरा नाम
एक साचा दूजा न कोई
सुख के सब साथी
दुख में न कोई

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitled Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.